3 मार्च, 2010 को 16.00 बजे प्लेनरी हाल, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार वितरण समारोह में भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री मो. हामिद अंसारी का अभिभाषण

आज यहां उपस्थित होकर राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार प्रदान करते हुए मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है क्योंकि इन पुरस्कारों का उद्देश्य भारत को एक पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने और पर्यटकों को बेहतर अनुभव दिलाने में पर्यटन उद्योग के विभिन्न हितधारकों के योगदान के लिए उन्हें सम्मानित करना है।

मैं विभिन्न श्रेणियों के अधीन पुरस्कारों के विजेताओं को बधाई देता हूँ और 'भारत में पर्यटन स्थल के सर्वोत्तम नागरिक प्रबंधक' हेतु एक नया पुरस्कार आरंभ करने के लिए पर्यटन मंत्रालय की सराहना करता हूँ।

इन पुरस्कारों से राज्य सरकारों, नगरपालिकाओं और स्थानीय सरकारी निकायों तथा विभिन्न पर्यटन, पर्यटक और अतिथि सेवा संगठनों को उत्तम कार्यों और खोए हुए अवसरों की समीक्षा करने तथा उनमें सुधार करने तथा आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन मिलता है।

भारत चिरकाल से सैलानियों, विद्वानों और अन्वेषकों का अत्यधिक प्रिय गंतव्य स्थल रहा है। फाहियान और ह्वेनसांग, अल्बरूनी और इब्नबतूता के नाम से इतिहास के छात्र परिचित हैं। दसवीं शताब्दी के एक इतिहासकार ने भारत का वर्णन "सर्वाधिक सुगंधित भूमि" के रूप में किया था और कहा कि इसकी सुगंध स्वयं स्वर्ग से आई है। इसी अवधि में फारस की खाड़ी का एक जहाज मालिक आधुनिक अर्थों में संभवत: पर्यटन का पहला प्रोत्साहक था जब उसने अपना वृत्तांत लिखा और इसे 'दि बुक ऑफ दि वंडर्स ऑफ इंडिया' का नाम दिया। अरबी और फारसी जैसी भाषाओं में भारत की उत्कृष्टता से संबंधित मुहावरे हैं। यूरोपीय भूमि से आए पर्यटकों ने भी

उन्हीं का अनुगमन किया। विदेशी शासन काल 'इंडियन समर' और 'कोहिनूर इंनिंग्स' जैसी अभिव्यक्तियों ने अंग्रेजी भाषा में अपनी जगह बनाई।

मित्रो,

यहां उपस्थित श्रोतागण इस बात से अवगत हैं कि समय और प्रौद्योगिकी ने पर्यटन की अवधारणा को बहुत हद तक बदल दिया है। वैश्वीकरण, परिवहन एवं संचार में हुई प्रगति और सेवा उद्योग में विकास ने आधुनिक पर्यटन को जटिल सामूहिक परिदृश्य में परिवर्तित कर दिया है। पर्यटन को 'शांति के समय सबसे बड़ा जन आंदोलन' कहा गया है। विश्वस्तर पर, यह अनुमान लगाया गया है कि गत वर्ष 880 मिलियन अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों का आगमन हुआ था। वर्ष 1950 के 25 मिलियन अन्तर्राष्ट्रीय यात्रियों की तुलना में यह असाधारण वृद्धि है।

पर्यटन एक ऐसे क्षेत्र के रूप में भी उभर कर आया है जिसमें अत्यधिक रोजगार मिलता है और राष्ट्र की समृद्धि में जिसका महत्वपूर्ण योगदान होता है। इससे "जनता का जनता से संपर्क" हो पाता है और इस प्रकार यह विभिन्न संस्कृतियों और भाषाओं को बेहतर ढंग से समझने में सहायक होता है।

भारत एक आदर्श पर्यटक स्थल है। इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, वनस्पतिजगत, प्राणिजगत और भू-सौन्दर्य की विविधता इसमें और अधिक योगदान करते हैं। इसके बावजूद, हमारी पूरी क्षमता का अभी या उपयोग नहीं हो पाया है। हमारे यहाँ 550 मिलियन घरेलू पर्यटकों के अलावा 5 मिलियन से अधिक विदेश पर्यटक आए थे। अत:, पर्यटन हमारी अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है और इस क्षेत्र ने वर्ष 2009 में हमारी विदेशी मुद्रा में 11 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का योगदान दिया है।

देवियो और सज्जनो,

सरकार पर्यटकों के भ्रमण को सुगम बनाने, पर्यटन और आतिथ्य सत्कार अवसंरचना को बढ़ावा देने, विशिष्ट पर्यटन खंडों को प्रोत्साहित करने तथा पर्यटन क्षेत्र के कार्मिकों के हुनर को बढ़ावा देने के प्रति वचनबद्ध है। साथ ही, हमें विद्यमान महत्वपूर्ण चुनौतियों की जानकारी होनी चाहिए। इनमें से चार चुनौतियां मुझे याद आ रही हैं:

पहली, जैसे ही हम अपने राज्यों की विविध राजनीतिक अर्थव्यवस्थाओं के लिए पर्यटन क्षेत्र के विभिन्न तत्वों को अपनाने लगते हैं, तो इस संबंध में यह सावधानी बरती जानी चाहिए कि पर्यटन समृद्ध हो सके और स्थानीय लोग अपने अधिकारों तथा स्थानीय संसाधनों तक अपनी पहुंच से वंचित न हो सकें। पर्यटन से यह भी सुनिश्चित होना चाहिए कि पर्यावरणीय स्थायित्व बना रहे और इससे राजनीतिक अर्थव्यवस्था की अखंडता प्रभावित न हो सके।

दूसरी, जिस प्रकार हम विकास प्रकिया को और अधिक समावेशी बनाना चाहते हैं, हमें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि पर्यटन क्षेत्र पर्यटकों के स्वरूप तथा पर्यटन के आर्थिक लाभार्थियों की दृष्टि और अधिक समावेशी बने। पर्यटन उद्योग को मौजूदा सामाजिक एवं आर्थिक असमानताओं को बढ़ाने नहीं, बल्कि उन्हें कम करने का प्रयास करना चाहिए।

तीसरी, अनुमानतः भारत से विदेश-यात्रा का बाजार एक प्रगतिशील क्षेत्र है, जिसमें हमारे नागरिकों द्वारा 10 मिलियन से भी अधिक विदेशी यात्राएं किया जाना शामिल हैं और जिसका व्यय अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन व्यय का 8 बिलियन अमेरिकी डॉलर से भी अधिक है। देश से बाहर की यात्रा करने वाले भारतीय यात्रियों को आकर्षक प्रस्तावों और यात्रा पैकेजों के साथ आकर्षित किया जा रहा है। सभी विदेश यात्रा की मात्रा उन सभी हितधारकों के वास्ते एक चुनौती है कि वे इनमें से कुछ पर्यटकों को प्रेरित करने की कोशिश करे कि कुछ यात्री देश के भीतर के पर्यटन स्थलों की यात्रा करें।

अंततः, हमें पर्यटन को न केवल पृथक रूप से बल्कि आगामी निवेशों को आकर्षित करने, व्यापार को बढ़ावा देने और लोगों तथा देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संपर्क और सहयोग में वृद्धि करने की इसकी क्षमता को ध्यान में रखते हुए इसे देखना चाहिए। हम सामान्य रूप से पूरे एशिया में और विशेष रूप से दक्षिण एशियाई क्षेत्र में अंतः-क्षेत्रीय पर्यटन को सक्रियता से बढ़ावा दे सकते हैं।

देवियो और सज्जनो,

हमने देखा है कि किस प्रकार वैश्विक आर्थिक मंदी, महामारी, आतंकी हमलों और घरेलू एवं क्षेत्रीय झगड़ों ने पर्यटकों के आगमन को बुरी तरह से प्रभावित किया है। ये घटनाएं हमारे राष्ट्रीय संकल्प की परीक्षा है और यह जरूरी है कि हमें एहतियात और इसके क्रियान्वयन की पूरी जानकारी होनी चाहिए। हमें यह प्रदर्शित करना चाहिए कि सरकार और भारत के लोग इन चुनौतियों से निपटने के लिए दृढ़संकल्प हैं।

मैं एक बार पुनः पुरस्कार विजेताओं को बधाई देता हूँ और आज के इस समारोह में भाग लेने के लिए मुझे आमंत्रित करने हेतु माननीय पर्यटन मंत्री को धन्यवाद देता हूँ।